

14. सूर – श्याम

<https://www.youtube.com/watch?v=HYmJp-OyNyA>

[By hindi clases]

1. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१.सूर-श्याम पद के रचयिता कौन हैं?

उत्तर : सूर – श्याम पद के रचयिता श्री सूरदास जी हैं।

२.कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है?

उत्तर : कृष्ण की शिकायत बलराम के प्रति है।

३.यशोदा और नंद का रंग कैसा था?

उत्तर : यशोदा और नंद का रंग गोरा था।

४.चुटकी दे-देकर हँसनेवाले कौन थे?

उत्तर : चुटकी दे-देकर हँसनेवाले ग्वाल बच्चे थे।

५.यशोदा किसकी कसम खाती है।

उत्तर : यशोदा गोधन की कसम खाती है।

६.बालकृष्ण किससे शिकायत करता है ?

उत्तर : बालकृष्ण यशोदा से शिकायत करता है।

७.बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है ?

उत्तर : बलराम के अनुसार बालकृष्ण को मोल लिया गया है।

८.बालकृष्ण का रंग कैसा था ?

उत्तर : बालकृष्ण का रंग श्याम(काला) था।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१.कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ?

उत्तर : बलराम कृष्ण को सदाचिढ़ाता रहता है कि कृष्ण यशोदा और नंद का बेटा नहीं है। यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है। उसे मोल लिया गया है।इसी गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता ।

२. बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है?

उत्तर : बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में इस प्रकार कहता है कि यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है। उसे मोल लिया गया है। यशोदा और नंद गोरे हैं। लेकिन कृष्ण का रंग काला है।

३. कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है?

उत्तर : कृष्ण अपनी माता से इसलिए नाराज़ है क्योंकि यशोदा सदा कृष्ण को ही मारना सीखी थी। बलराम पर कभी गुस्सा भी नहीं करती थी। इसलिए कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति नाराज़ है।

४. बालकृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायतें करता है ?

उत्तर : बालकृष्ण अपनी माता से इस प्रकार शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढ़ाता है। वह मुझसे कहता है कि तुम्हें यशोदा माँ ने जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी गुस्से के कारण उसके साथ खेलने नहीं जाता।

५. यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?

उत्तर : यशोदा कृष्ण के क्रोध को इस प्रकार शांत करती है कि हे कृष्ण! सुनो। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।

III. चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए :

भावार्थ : प्रस्तुत पद में श्री सूरदास जी भाई बलराम के प्रति कृष्ण की शिकायत का मोहक वर्णन किया गया है। कृष्ण अपनी माँ यशोदा से शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढ़ाता है। वह मुझसे कहता है कि तुम्हें यशोदा माँ ने जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी गुस्से के कारण उसके साथ उसके साथ खेलने नहीं जाता। वह मुझसे बार-बार पूछता है कि तुम्हारे माता-पिता कौन हैं? वह यह भी कहता है कि नंद और यशोदा तो गोरे हैं, लेकिन तुम्हारा शरीर क्यों काला है? उसकी ऐसी हँसी-मज़ाक सुनकर मेरे सब मित्र चुटकी बजा-बजाकर हँसते हैं। उन्हें बलराम ने ही ऐसा करना सिखाया है। माँ, तुमने मुझे ही मारना सीखा है और भाई पर खभी गुस्सा नहीं करती। कृष्ण के क्रोधित मुख को देखकर और उसकी बातों को सुनकर यशोदा खुश हो जाती है। वह कहती है-हे कृष्ण! सुनो। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो। इस पद में श्री सूरदास जी ने बालकृष्ण के भोलेपन और यशोदा के वात्सल्य का मार्मिक चित्रण किया है।

V. अनुरूपता :

१. बलभद्र : बलराम :: कान्ह : कृष्ण
२. जसोदा : माता :: नंद : पिता
३. रीझना : मोहित होना :: खिझाना : चिढ़ाना
४. बलबीर बलराम :: जसोदा : यशोदा

VI. जोड़कर लिखिए :

अ	ब	उत्तर
१. सूरदास का जन्म	कृष्णभक्ति शाखा	सन 1540 को हुआ
२. सगुण भक्तिधारा की	सन 1540 को हुआ	कृष्ण भक्ति शाखा
३. उत्तर प्रदेश का रुनकता	सन 1642 को हुई	सूर का जन्मस्थान
४. सूरदास जी की मृत्यु	सूर का जन्मस्थान	सन 1642 को हुई

VII. सही शब्द चुनकर लिखिए :

(चुगलखोर, गोरी, श्याम, चुटकी, बाल-लीला)

१. जसोदा गोरी २. कृष्ण श्याम ३. ग्वाल मित्र चुटकी
४. बलराम चुगलखोर ५. कृष्ण की बाल-लीला

VIII. आधुनिक रूप लिखिए :

जैसे : मैया - माता

१. मोहि - मुझेद
२. मोसों - मुझसे
३. रिस - क्रोध
४. सरिर - शरीर
५. सिखै - सिखाना
६. जसुमति - यशोदा
७. धूत - दुष्ट
८. कान्ह - कृष्ण
९. पूत - पुत्र
१०. जनमत - जन्म